वर्ग-4

हिन्दी

14. मुफ्त ही मुफ्त

शब्दार्थ :-

उचकाकर → उठाकर
मुफ्त → बिना पैसे का
कोलाहल → शोरगुल
हक्के-बक्के → हैरान रह गए
हर्ज → नुकसान
फुर्ती → तेजी
किस्मत → भाग्य
मेहरबानी → कृपा

प्र① हर बार भीखूभाई कम दाम देना चाहते थे। क्यों?

उत्तर :- हर बार भीखूभाई कम दाम देना चाहते थे क्योंकि वे बहुत ज्यादा कंजूस थे।

प्र② हर जगह नारियल के दाम में फर्क क्यों था?

उत्तर :- हर जगह नारियल के दाम में फर्क था क्योंकि जब नारियल बगीचे से टूटकर बाजार आता तो दुकानदार उसपर अपनी लागत और मेहनत का मूल्य जोड़ देते थे।

प्र③ क्या भीखूभाई को नारियल सच में मुफ्त में मिला? क्यों?

उत्तर :- नहीं भीखूभाई को नारियल मुफ्त में नहीं मिला। इसे पाने के लिए उन्हें बहुत दूर पैदल जाना पड़ा, धूप में पसीना बहाना पड़ा और अंत में तो वह नारियल के पेड़ से गिर पड़े और उनके सिर पर एक बड़ा नारियल ~~का भी~~ गिर पड़ा।